जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 28 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 1 दिसम्बर, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

नॉर्वे की सामी पार्लियामैंट, जो सामी लोगों का प्रतिनिधित्व करती है, ने रेनडियर के लिए और अधिक संरक्षण की मांग की है। कारण है कि, पिछले पांच सालों में दस हज़ार से अधिक रेनडियर वाहनों की चपेट में आकर मर गए हैं। पुलिस के अनुसार, अक्टूबर 2018 और अक्टूबर 2023 के बीच उत्तरी स्वीडन में 10,000 से ज्यादा ऐसी दुर्घटनाएं हुई हैं जिनमें कम से कम एक रेनडियर तो मरा ही है। अर्थात् मृत रेनडियरों की संख्या और अधिक हो सकती है। सामी लोग स्वीडन के पांच राष्ट्रीय अल्पसंख्यकों में एक हैं और उनकी चयनित पार्लियामैंट सामी संस्कृति की तरफ से वकालत करती है। सर्दी के मौसम में रेनिडियर्स को पहाड़ों से निचले क्षेत्रों में लाया जाता है, यहाँ पर ये, सड़कों पर बर्फ हटाने के लिए डाले गए नमक की तरफ आकर्षित होते हैं और हाल के वर्षों में, निरंतर बढ़ रही औद्योगिक गतिविधियों के कारण इन सड़कों पर यातायात बहुत अधिक बढ़ गया है। सामी पार्लियामैंट में एनिमल हस्बैन्डरी कमेटी के चेयरमैन जैन रैनरुड ने कहा कि, यहाँ की, दो से तीन लाख की रेनडियर आबादी की रक्षा के लिए और अधिक प्रयास की आवश्यकता है, जैसे वाहनों की स्पीड लिमिट कम करना, सड़कों के किनारे फैन्सिंग और नेचर पैसेज का निर्माण आदि। समस्त जीवन चरवाहे के रुप में रेनडियर्स के साथ काम करने वाले रैनरुड ने कहा, ''जो लोग प्रभावित होते हैं उनके लिए यह बहुत दुःखद है। अपने जानवरों को गाड़ियों के नीचे आकर मरते देखना दिल पर बहुत भारी बोझ होता है।'' उन्होंने सड़कों पर निरंतर बढ़ते यातायात और हाई स्पीड को इन घटनाओं के लिए दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा कि, रेनडियर सुरक्षा को लेकर जो सुस्ती दिखाई जा रही है उसका कारण पैसा है, मृत रेनडियर के एवज़ में कुछ हजार क्रोनर देना आसान होता है बजाय सैकड़ों क्रोनर खर्च करके सड़कों के किनारे बाड़ बनाने के।

एग्ज़िट पोल: राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को बहुमत

तेलंगाना में कांग्रेस की शानदार जीत और मिज़ोरम में खंडित जनादेश की संभावना जताई गई है एग्ज़िट पोल्स में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। एग्ज़िट पोल्स हिंदी बैल्ट के तीन राज्यों में से दो में भाजपा और एक में कांग्रेस की वापसी की भविष्यवाणी कर रहे है।

एग्ज़िट पोल्स का संकेत है कि जहां छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सत्ता पर काबिज रह सकते हैं वहीं राजस्थान में अशोक गहलोत से सत्ता छिन सकती है और ऐसा संदेह है कि मध्यप्रदेश में फिर से भाजपा की ही वापसी होगी।

सबसे बड़ा उलट फेर तेलंगाना में हो रहा है, जहां के.चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति 2014 में राज्य बनने के बाद से ही सत्ता में है। तीन एग्ज़िट पोल्स ने यकीन से कहा कि तेलंगाना में बी.आर.एस. को हराकर कांग्रेस सत्ता में आएगी।

चौथा पोल भी कांग्रेस की बढ़त बता रहा है। मिज़ोरम में अवश्य त्रिशंकु विधानसभा की संभावना है। यहां सत्तारुढ़ मिज़ो नैशनल फ्रंट के सामने कांग्रेस और जोराम पीपुल्स मूवमैंट की चुनौती है।

हालांकि एग्ज़िट पोल अक्सर गलत भी हो जाते हैं। सही नतीजे रविवार को आएंगे जब वास्तव में गणना होगी। एग्ज़िट पोल्स मीडिया संगठनों द्वारा मतदान के तुरंत बाद किया जाता है। ये चुनाव महत्वपूर्ण है। क्योंकि इनके कुछ माह बाद ही अगले वर्ष अप्रैल -मई में लोकसभा चुनाव होने वाले है।

राजस्थान, जहां नब्बे के दशक से ही सत्तारुढ़ पार्टी को सत्ता से बेदखल करने का रिवाज है, में लगता है इस बार भी यही रिवाज कायम रहेगा। तीन में से दो एग्ज़िट पोल्स ने भाजपा को स्पष्ट बहुमत दिया है, तीसरे ने सीटों में कम अन्तर की भविष्यवाणी की है। सन् 1998 से अर्थात् 25 साल से राजस्थान में यही रिवाज है कि कोई भी राजनैतिक पार्टी सत्ता में नहीं लौटी है और तब से राजस्थान ने दो ही मुख्यमंत्री देखे हैं, कांग्रेस से अशोक गहलोत और भाजपा से वसुंधरा राजे।

छत्तीसगढ़ पर 6 एग्ज़िट पोल्स ने कांग्रेस की वापसी की भविष्यवाणी की है। अधिकांश में कांग्रेस को 40-50 सीटें दी गई है। छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 46 सीटें चाहिए।

इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया कांग्रेस के लिए 40-50, जन की बात भाजपा के लिए 34-45 तथा कांग्रेस के लिए 42 से 53 सीटों की भविष्यवाणी कर रहा है। न्यूज़ 24 टुडेज़ चाणक्य भाजपा को 33 व कांग्रेस को 57 सीटें दे रहे है।

मध्यप्रदेश में जहां कांग्रेस जीती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान में एक-दो को छोड़ कर सभी एग्ज़िट पोल नतीजे भाजपा को 100 से ज्यादा सीटें मिलने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। पूरी संभावना है कि, राजस्थान में राज बदलने का रिवाज़ कायम रहेगा।
- मध्य प्रदेश को लेकर अवश्य हैरानी है, जहां भाजपा फिर से सत्ता में वापसी करती दिख रही है। लगभग सभी एग्ज़िट पोल्स ने यहाँ भाजपा व कांग्रेस में कड़ा मुकाबला बताया और सीटों का अंतर बहुत कम रहने की संभावना जताई।
- छत्तीसगढ़ में सभी एग्ज़िट पोल्स ने कांग्रेस को कम से कम 40 और ज्यादा से ज्यादा 57 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की है। पूरी संभावना है कि, यहां कांग्रेस की वापसी होगी।

क्यों होता है एग्ज़िट पोल व वास्तविक नतीजों में भारी अंतर?

वर्ष 2013 व 2018 के एग्ज़िट पोल के आंकड़ों तथा वास्तविक आंकड़ों में भारी अंतर देखा गया

जयपुर, 30 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के एग्ज़िट पोल सामने आने के बाद लोगों में अलग-अलग तरह की चर्चाएं हैं और बहुत सारे लोग कन्फ्यूज हो रहे हैं कि आखिरकार परिणाम क्या आने वाले हैं। वैसे एग्ज़िट पोल को देखकर परिणामों के अनुमान लगाने के साथ एक बात साफ है कि पिछले दो चुनाव 2013 ओर 2018 में जितने भी एग्ज़िट पोल आए थे, उनमें से कोई भी नतीजों पर खरा नहीं उतरा था। इसका एक कारण यह होता है कि प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस और भाजपा के अलावा छोटे दल या अन्य को मिलने वाले वोटों का अंदाजा कोई भी नहीं लगा पाता और यही वोट परिणामों को बदलने में सहायक होते हैं।

वर्ष 2013 में चुनाव परिणाम से पहले एग्ज़िट पोल आए थे और उसे समय सभी ने कांग्रेस को न्यूनतम 39 के आसपास सीटें दी थी, लेकिन जब परिणाम सामने आए तो कांग्रेस मात्र 21 सीटों पर सिमट गई थी वहीं भाजपा बंपर बहुमत के साथ 163 सीट लाने में सफल रही थी और उस समय किसी भी एजेंसी का एग्ज़िट पोल सही साबित नहीं हो पाया था। तब भाजपा को अधिकतम 147 सीटें दी गई थी।

वर्ष 2018 के चुनाव की बात करें तो एग्ज़िट पोल में कांग्रेस की 105 से 137 सीटों तक बताई गई थी। एक एग्ज़िट पोल ने तो 2018 में कांग्रेस की 91 और भाजपा की 93 सीट भी बताई थी। लेकिन परिणाम में कांग्रेस 99 पर तो भाजपा 73 सीटों पर आ गई थी। कहने का अर्थ है कि पिछले दो विधानसभा चुनावों के एग्ज़िट पोल सही साबित नहीं हो पाए। सन् 2018 के विधानसभा चुनाव के एग्ज़िट पोल में निर्दलीय और अन्य को 2 से लेकर 15 तक सीट दी गई थी, लेकिन जब परिणाम सामने आए तो निर्दलीय तथा अन्य की संख्या 27 थी। शायद यही कारण था कि राजस्थान को लेकर एग्ज़िट पोल सही साबित नहीं हो पाए।

अब 2023 विधानसभा चुनाव, जिसके नतीजे दो दिन बाद 3 दिसम्बर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ज्ञातव्य है कि, वर्ष 2013 में कांग्रेस को लगभग सभी एग्ज़िट पोल्स में न्यूनतम 39 सीटें दी गईं थीं, पर, कांग्रेस इससे भी नीचे मात्र 21 पर सिमट गई थी। वर्ष 2018 में कांग्रेस को 105 से 137 सीटें दी गई थीं। पर, कांग्रेस 99 सीटें ही ले पाई थी।
- एक कारण यह भी हो सकता है कि, एग्ज़िट पोल सर्वे में निर्दलीयों व अन्य छोटे दलों की स्थिति का सही आकलन नहीं हो पाता है।
- इस बार, वर्ष 2023 के एग्ज़िट पोल में अन्य, जिसमें निर्दलीय व छोटे दल शामिल हैं, को 5 से 21 सीटें दी गई हैं, जिसकी वजह से भारी कन्फ्यूज़न पैदा हो रहा है।
- यदि उम्मीद के अनुसार, आर.एल.पी., आज़ाद समाज पार्टी, बी.टी.पी. और भारत आदिवासी पार्टी, वामपंथी दल, बसपा व निर्दलीय मजबूत प्रदर्शन करते हैं तो एग्ज़िट पोल के नतीजे पलट जाएंगे।

सोमवार से शुरु होगा संसद का शीतकालीन सत्र

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। केन्द्र सरकार ने आगामी 4 से 22 दिसम्बर से होने जा रहे संसद के शीतकालीन सत्र में प्रस्तुत करने के लिए 18 विधेयक लिस्ट किए हैं।

इसमें औपनिवेशिक काल के आई.पी.सी., सी.आर.पी.सी. और एविडेन्स एक्ट से संबंधिक विधेयकों पर भी बहस हो सकती है।

- 4 से 22 दिसम्बर को होने वाले संसद सत्र में केन्द्र सरकार की18 विधेयक पेश करने की योजना है।

लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक बुलेटिन के अनुसार कश्मीरी प्रवासियों, पाक अधिकृत कश्मीर में से विस्थापित लोगों और अनुसूचित जनजातियों को प्रतिनिधित्व देने के लिए जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा की सदस्य संख्या 17 से बढ़ाकर 114 किए जाने की योजना है।

मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर तैयार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना में सत्ता परिवर्तन, कांग्रेस को 65 और भाजपा को 40 सीटें

विभिन्न एग्ज़िट पोल्स के आंकड़ों के आधार पर लगाए गए इस औसत अनुमान के अनुसार, भाजपा तीसरे नम्बर पर रहेगी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 नवम्बर। कांग्रेस ऐसा कुछ करने जा रही है जिसकी कुछ माह पूर्व उससे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। यदि विभिन्न ''एग्ज़िट पोल्स'' के नतीजों का कोई संकेत माना जाए तो तेलंगाना के गठन के बाद से उसके लोकप्रिय मुख्यमंत्री रहे के. चन्द्रशेखर राव को सत्ता से हटाकर कांग्रेस खुद की सरकार का गठन करने जा रही है।

गुरुवार सायं 5:30 बजे टेलीविजन स्क्रीन्स और डिजीटल स्पेस पर अनेक एग्ज़िट पोल्स आए। चुनावपूर्ण सर्वेक्षणों की भांति तेलंगाना में कांग्रेस की सुगम जीत की भविष्यवाणी की गई।

विभिन्न एग्ज़िट पोल्स के अनुसार कांग्रेस के कम से कम 49 और अधिकतम 79 सीटें जीतने की उम्मीद है। यदि सभी एग्ज़िट पोल्स का औसत निकाला जाए तो तेलंगाना में सत्तारूढ़ बी.आर.एस. को 40 और कांग्रेस को 65 सीटें मिल रही हैं, जो कि राज्य सरकार की सत्ता में सीधा-सीधा परिवर्तन है।

एग्ज़िट पोल के अनुसार तेलंगाना विधानसभा में बहुमत का जादुई आंकड़ा 60 है और कांग्रेस उसे सहज रूप से पार कर रही है।

द रिपब्लिक मैट्रिज़ पोल ने कांग्रेस को 58 और 68 के बीच सीटें मिलने की भविष्यवाणी की, जबकि ''जन की बात'' ने एक खण्डित विधानसभा की संभावना का संकेत देते हुए कांग्रेस को 48 से 64 सीटें मिलने की बात कही, लेकिन ये सर्वेक्षण विषम है क्योंकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 119 सदस्यीय तेलंगाना विधानसभा में बहुमत के लिए 60 सीटों की जरूरत है और कांग्रेस आराम से यह आंकड़ा पार करती दिख रही है।
- अविभाजित आंध्र प्रदेश में तेलंगाना कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था, पर, 2014 में तेलंगाना के राज्य बनने से लेकर यहां के. चन्द्रशेखर राव मुख्यमंत्री बने हुए हैं।
- इस बार कांग्रेस फिर से अपने गढ़ पर काबिज़ होती लग रही है। अभी कुछ माह पहले तक कांग्रेस मुकाबले में कहीं नहीं थी, पर, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद से माहौल कांग्रेस के पक्ष में बदलने लगा।

हमास ने इज़राइल के 16 और बंधकों को रिहा किया

यरुशलम, 30 नवंबर (वार्ता/शिन्हुआ)। इजरायली सरकार ने बुधवार देर रात पुष्टि की कि हमास द्वारा गाजा पट्टी से रिहा किये गये बंधकों का छठा जत्था इजरायल लौट आया है।

इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय और इज़राइल रक्षा बल (आईडीएफ)

- हमास द्वारा गाज़ा पट्टी से रिहा किये गये बंधकों का छठा जत्था इजरायल लौट आया है। इन 16 बंधकों में 12 इज़रायली और चार थाई नागरिक शामिल हैं।

द्वारा जारी बयानों के अनुसार, 16 बंधकों, जिनमें 12 इजरायली और चार थाई नागरिक शामिल हैं, सुरक्षा बलों द्वारा अपने परिवारों के साथ पुनर्मिलन के लिए अस्पतालों में ले जाने से पहले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीनों सेनाओं के लिए 2.23 लाख करोड़ रु. के रक्षा खरीद सौदों को मंजूरी मिली

स्वदेशी कंपनियों से वायु सेना के लिए 97 तेजस लड़ाकू विमान और 156 प्रचंड श्रेणी के हैलिकॉप्टर खरीदे जायेंगे

नई दिल्ली, 30 नवम्बर (वार्ता)। सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने और सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 2.23 लाख करोड़ रूपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दे दी है, खास बात यह है कि, इन सभी रक्षा उपयोग की वस्तुओं की खरीद पूर्णतः स्वदेशी कंपनियों से की जायेगी।

इनमें वायु सेना के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड से हल्के लड़ाकू विमान तेजस, हल्के लड़ाकू हैलिकॉप्टर-प्रचंड के अलावा नौसेना के लिए युद्धपोत रोधी मिसाइलों तथा तोपों की खरीद के प्रस्ताव शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को हुई रक्षा खरीद परिषद की बैठक में इस आशय से संबंधित खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी।

रक्षा खरीद सौदे में 97 अतिरिक्त तेजस विमान और 156 प्रचंड लड़ाकू हैलिकॉप्टरों की खरीद भी शामिल है। दोनों विमान स्वदेशी रूप से विकसित हैं और इन सौदों की कीमत लगभग 1.1 लाख करोड़ रुपये है। तेजस मार्क 1-ए लड़ाकू विमानों को भारतीय वायु सेना के लिए और हैलिकॉप्टरों को वायु सेना के साथ-साथ थल सेना के लिए भी खरीदा जा रहा है। इन सौदों को मंजूरी मिलने के साथ, यह भारत के इतिहास में स्वदेशी निर्माताओं को मिलने वाला सबसे बड़ा ऑर्डर है।

इस रक्षा खरीद के पूरी होने के साथ ही भारतीय वायुसेना द्वारा खरीदे जाने वाले स्वदेशी रूप से विकसित तेजस विमानों की संख्या 180 हो जाएगी। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस मार्क-1ए विमानों की खरीद के लिए सरकार संचालित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इन प्रस्तावों को जरूरत के आधार पर खरीद की मंजूरी दी गयी है और इनमें से 2.20 लाख करोड़ रूपये की खरीद घरेलू उद्योगों से की जायेगी। इससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता करने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। इनमें हल्के लड़ाकू विमान, हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर , युद्धपोत रोधी मिसाइलों तथा तोपों की खरीद के प्रस्ताव शामिल हैं।

इन प्रस्तावों में सेना के लिए टाइप-2 और टाइप-3 की टैंक रोधी तोप की खरीद का प्रस्ताव शामिल है । ये तोप बख्तरबंद वाहनों और टैंकों को ध्वस्त करने में सक्षम होगी।

रक्षा परिषद ने हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से वायु सेना और सेना के लिए हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर और वायु सेना के लिए हल्के लड़ाकू विमान एम के 1ए की जरूर के आधार पर खरीद की भी मंजूरी दी है। इसके अलावा एचएएल सुखोई -30 एम के आई लड़ाकू विमानों को उन्नत बनाने का कार्य भी करेगा।

परिषद ने नौसेना के लिए युद्धपोत रोधी मिसाइलों की खरीद के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है। सेना के लिए टी 90 टैंकों के लिए ऑटोमैटिक टारगैट ट्रेकर और डिजिटल बसाल्टिक कंपयूटर की खरीद को भी जरूरत के आधार पर मंजूरी दी गयी है। इससे टी 90 टैंकों की मारक क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

- इस रक्षा खरीद के पूरी होने के साथ ही भारतीय वायुसेना द्वारा खरीदे जाने वाले स्वदेशी रूप से विकसित तेजस विमानों की संख्या 180 हो जाएगी। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने सरकार संचालित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था।
- यह भारत के इतिहास में स्वदेशी निर्माताओं को मिलने वाला अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है।

कोटा में एक और आत्महत्या

कोटा, 30 नवम्बर (निसं)। कोटा में कोचिंग छात्र-छात्रों के सुसाइड के मामलों को लेकर भले ही प्रशासन सख्त नजर आ रहा हो लेकिन मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। बीते तीन दिन में कोटा में छात्रों के सुसाइट का यह दूसरा मामला है। सुसाइड का मामला सामने आने के बाद प्रशासन और कोचिंग संस्थानों व हॉस्टल संचालकों के बीच वार्ता का दौर चलता है लेकिन वार्ता के बाद भी मामले हैं कि रुक नहीं रहे।

डॉक्टर बनने का सपना लेकर कोटा आई उत्तर प्रदेश के औरैया निवासी कि 21 वर्षीय कोचिंग छात्रा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- 21 वर्षीय छात्रा निशा यादव ने देर रात फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। यू.पी. में औरैया की रहने वाली निशा नीट की तैयारी कर रही थी।